आइटी सेक्टर को मिलेगा उद्योग का दर्जा

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : प्रदेश के औद्योगिक विकास को और गति देने के लिए आइटी (सूचना व प्रौद्योगिकी) सेक्टर को भी उद्योग का दर्जा प्रदान किया जाएगा। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की

कैबिनेट बैठक आज

अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट बैठक में आइटी सेक्टर को उद्योग का दर्जा दिए जाने समेत कई और प्रस्तावों को मंजूरी दी जा सकती है। योगी ने 11 सितंबर को ग्रेटर नोएडा में आयोजित सेमीकान इंडिया-2024 के उद्घाटन समारोह में आइटी को उद्योग का दर्जा देने की घोषणा की थी।

आइटी सेक्टर को उद्योग का दर्जा मिलने पर औद्योगिक प्राधिकरण आइटी पार्क व अन्य परियोजनाओं के लिए भी जमीन का बंदोबस्त करेंगे और उन्हें उचित दर पर जमीन उपलब्ध हो सकेगी। वर्तमान में उद्योग का दर्जा न होने के कारण आइटी सेक्टर को जमीन के लिए काफी परेशानी होती है। आइटी क्षेत्र में निवेश कर रही कंपनियों को औद्योगिक दर पर बिजली भी मिल सकेगी। उन्हें अलग इंडस्ट्रियल फीडर से निर्बाध बिजली की उपलब्ध का लाभ मिलेगा। इसके अलावा कई तरह के करों में छूट का लाभ भी मिलेगा। आइटी कंपनियों को पंजीकरण से लेकर लाइसेंस तक में राहत मिलेगी। औपचारिकताओं को आसानी से पूरा किया जा सकेगा।

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इस कदम से आइटी पार्क, डाटा पार्क, टेक्नोलाजी पार्क, साफ्टवेयर पार्क, आइटी विशेष आर्थिक परिक्षेत्र के लिए आधारभूत ढांचा विकसित होगा। कैबिनेट में इसके अलावा दो निजी विश्वविद्यालयों को मान्यता, पूर्व में खुले निजी विश्वविद्यालयों को प्रोत्साहन राशि प्रदान किए जाने, उच्च शिक्षा नीति में संशोधन, लखनऊ स्थित किंग जार्ज मेडिकल कालेज का विस्तार के अलावा औद्योगिक विकास विभाग से जुड़े कुछ प्रस्तावों को भी मंजूरी मिल सकती है। प्रदेश के तीन और जिलों में सार्वजनिक-निजी सहभागिता (पीपीपी) पर मेडिकल कालेज खोले जाएंगे। बागपत, कासगंज व हाथरस में मेडिकल कालेज खोलने संबंधी प्रस्ताव को भी कैबिनेट से हरी झंडी मिल सकती है।